सोमवार
33 साल से देहरादून का विश्वास
29 सितम्बर 2025
- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 235
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

मुख्यमंत्री पहुंचे धरना स्थल

सरकार का यू टर्न, सीबीआई जांच की संस्तुति

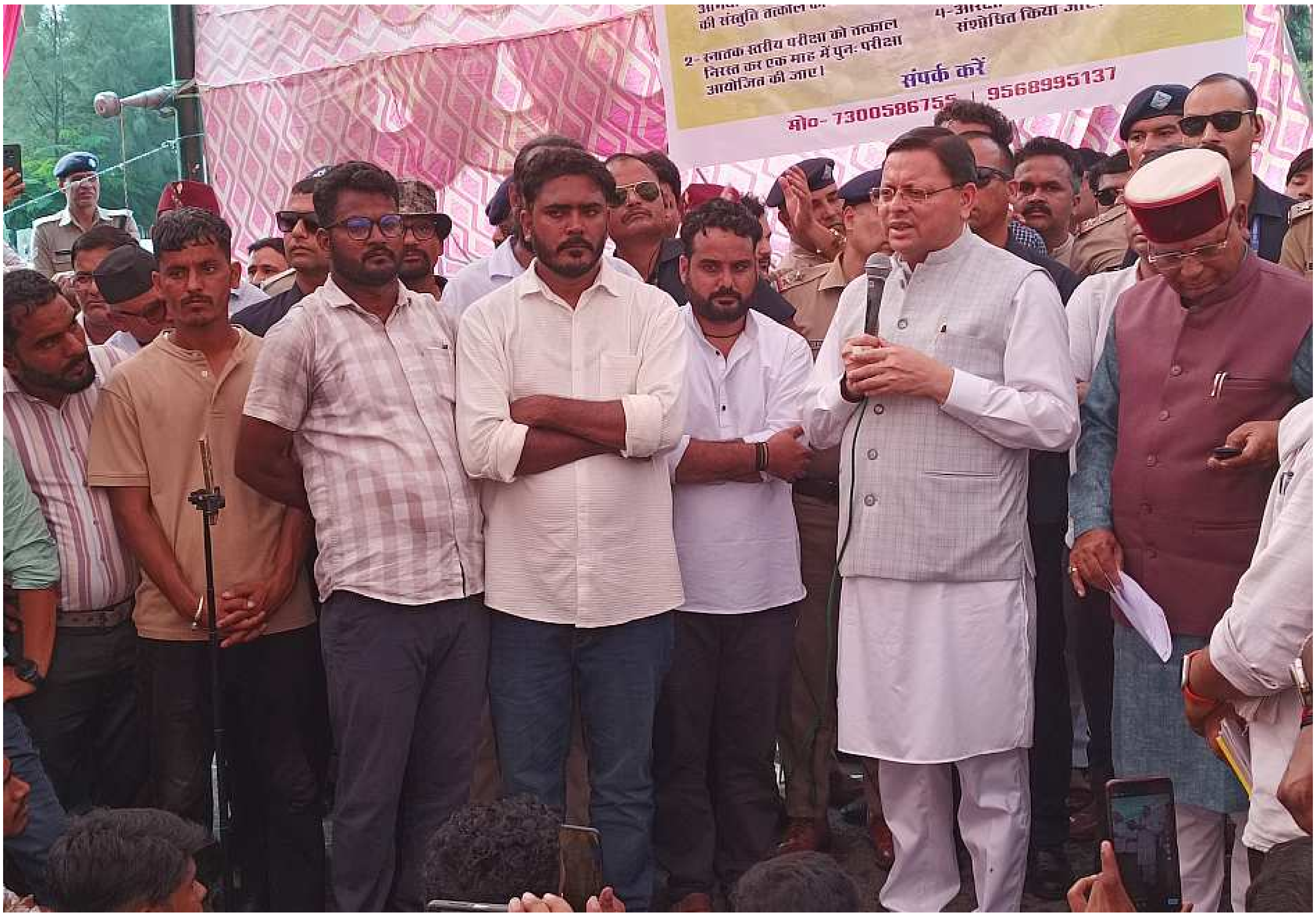

इतना आसान था! सीएम आए, सुना और लिख दी सीबीआई जांच

विशेष संवाददाता

देहरादून। आखिरकार युवा बेरोजगारों के आंदोलन के आठवें दिन सरकार को उनकी मांग मानने पर विवश होना ही पड़ा। राजधानी दून में चल रहे आंदोलन स्थल पर आज शाम सीएम पुष्कर सिंह धामी खुद युवाओं के बीच पहुंचे और उनके साथ संवाद किया। युवाओं की भावनाओं के अनुरूप उन्होंने धरना स्थल पर ही उनकी प्रमुख मांग पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच कराने की संस्तुति कर दी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के द्वारा विधायक खजान दास तथा उमेश शर्मा काऊ के माध्यम से की गई इस पहल का कई अन्य भाजपा नेता भी हिस्सा रहे। दरअसल पुलिस-प्रशासन के स्तर पर पहले भी इन आंदोलित युवाओं को समझाने बुझाने का प्रयास किया गया था लेकिन सरकार जो न इस घटना को पेपर लीक मामला मानने को तैयार थी और न इसकी सीबीआई जांच करने को। सरकार की इस हटधर्मिता के कारण यह आंदोलन पूरे राज्य में फैल गया। सरकार द्वारा इस आंदोलन को समाप्त कराने के जब सभी प्रयास असफल हो गए थे तब सरकार ने आज इस मामले की सीबीआई जांच की मांग को मानने का फैसला किया।

छात्रों के बीच पहुंचे सीएम धामी ने आज युवाओं के साथ पूरी संवेदना दिखाते हुए कहा कि आप ही धरने पर नहीं बैठे हैं मैं भी आपके साथ धरने पर मौजूद हूं। मैं नहीं चाहता कि प्रदेश के भाई-बहनों बेटे और बेटियों के साथ किसी भी तरह का अन्याय हो। उन्होंने एसआईटी जांच का हवाला भी दिया और कहा कि आपके द्वारा विरोध करने पर हमने इस जांच को यूसी ध्यानी को सौंप दिया था। छात्रों ने भी सीएम को उनके नकल विरोधी कानून का हवाला देते हुए कहा कि इस कानून में यह भी लिखा है कि अगर एक भी लाइन प्रश्न पत्र बाहर जाता है तो वह पेपर लीक माना जाएगा। मुख्यमंत्री से छात्रों ने कहा कि वह लिखित में इसकी संस्तुति करें कि सीबीआई इस मामले की जांच करेगी। धरना स्थल पर ही उन्होंने इसकी लिखित संस्तुति की तो छात्रों ने ताली बजाकर इसका स्वागत किया व धरना भी समाप्त कर दिया।

दून वैली मेल

संपादकीय

मुश्किलों में फंसे सीएम

यूकेएसएसएससी पेपर लीक मामले को लेकर प्रदेश के युवा आग बबूला हैं। वह किसी भी कीमत पर अपनी मांगों के माने जाने से पहले अपना आंदोलन समाप्त करने को तैयार नहीं है। युवाओं के भविष्य से जुड़े इस मुद्दे की अहमियत सिर्फ रोजगार की समस्या से नहीं जुड़ी है। यह एक अत्यंत ही प्रभावी राजनीतिक मुद्दा भी है। इस सत्य को वह युवा नेता जो इस आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं वह तो जानते हैं ही इसके साथ ही विपक्षी दल कांग्रेस और भाजपा के नेता भी इसे बखूबी जानते समझते हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जो अब यह समझा रहे हैं कि उन्हें इस मुद्दे की सीबीआई जांच से भी कोई गुरेज नहीं है अगर यही सच है तो फिर वह इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप क्यों नहीं देते हैं। वह पेपर लीक होने वाले दिन से यह क्यों कह रहे हैं कि यह पेपर लीक का मामला नहीं है। उन्हें या उनकी पार्टी से जुड़े नेताओं द्वारा आंदोलनकारी युवा बेरोजगारों के आंदोलन को निष्प्रभावी बनाने के क्यों प्रयास किया जा रहे हैं हरिद्वार से स्कूली छात्रों को बसों में भरकर दून लाने और एक समानांतर छद्म आंदोलन खड़ा करने की जरूर क्यों पड़ी थी। दरअसल उन्होंने अपने कार्य व्यवहार से खुद ही इस मामले में सरकार की भूमिका को संदेहास्पद बनाने का काम किया गया है। शुरुआत में ही अगर उन्होंने आंदोलित छात्रों की सुनी होती तो न बॉबी पवार और न मोहित डिमरी तथा त्रिभुवन चौहान को इस मुद्दे पर राजनीति करने का जैसा कि अब धामी कह रहे हैं, मौका मिलता ही नहीं। उस कांग्रेस को जिसके नेता अब आंदोलित छात्रों के समर्थन में खुद भी धरने प्रदर्शन कर रहे हैं और न भाजपा के उन नेताओं को कुछ कहने का अवसर मिलता जो उन्हें आंदोलनकारी बालकों की बात सुनने और सीबीआई जांच की मांग को मानने की नसीहतें दे रहे हैं। पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत ऐसे अकेले नेता नहीं है। जो छात्रों की सीबीआई जांच की मांग का समर्थन कर रहे हैं अन्य और भी तमाम नेता है। भाजपा के नेता खुद इस मुद्दे पर दो हिस्सों में बंटे हुए हैं। कुछ मंत्री और विधायक पत्रकार वार्ता कर वही राग अलाप रहे हैं जो मुख्यमंत्री धामी कहते आ रहे हैं और वह भी इसे पेपर लीक की घटना नहीं मान रहे हैं। कुल मिलाकर मुख्यमंत्री धामी भी इस चौतरफा बढ़ते दबाव के कारण असहज हो गए हैं और उनकी खुद की समझ में भी नहीं आ रहा है कि इसका वह पटाक्षेप कैसे करा सकते हैं? समय जैसे-जैसे बीत रहा है स्थितियां और अधिक गंभीर होती जा रही है तथा राजनीतिक माहौल भी गरमाता जा रहा है। मुख्यमंत्री धामी के सामने अपने शासनकाल में पहली बार इस तरह की गंभीर चुनौती पेश आई है वह यह भी जानते हैं कि अगर युवा जिन्हें वर्तमान दौर में जेन-जी कहा जा रहा है हाथ से निकल गए अथवा नाराज हो गए तो इसकी फिर भरपाई करना मुख्यमंत्री तो क्या उनकी पार्टी का कोई भी नेता नहीं कर सकेगा।

राम-हनुमान मिलाप, बाली वध व लेजर नागपाश सहित हुआ रामलीला मंचन

हमारे संवाददाता

देहरादून। श्री रामकृष्ण लीला समिति टिहरी 1952 देहरादून (पंजी)द्वारा उत्तराखंड की प्राचीन गढ़वाल की ऐतिहासिक राजधानी पुरानी टिहरी की 1952 से होने वाली प्राचीन रामलीला को टिहरी के जलमग्न होने के बाद देहरादून में पुनर्जीवित करने का संकल्प लिया है और इस हेतु इस वर्ष देहरादून के श्री गुरु नानक मैदान रेसकोर्स में भव्य रामलीला मंचन किया जा रहा है।

श्री रामकृष्ण लीला समिति टिहरी 1952, देहरादून के अध्यक्ष अभिनव थापर ने बताया कि रामलीला-सातवे दिवस में राम-हनुमान मिलाप व बाली वध का मंचन हुआ। रामलीला मंच पर डिजीटल स्क्रीन के जंगल के दृश्य ने राम-हनुमान मिलाप को अलौकिक बना दिया। बाली-सुग्रीव युद्ध ने मंचन में जान फूंक दी। मेघनाथ ने हनुमान को लेजर नागपाश में बांध दिया तो पूरा पंडाल तालियों के साथ गूंज उठा। कार्यक्रम में अध्यक्ष अभिनव थापर, अतिथिगणों में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल , भुवन कापड़ी -विधायक व उपनेता प्रतिपक्ष, पूर्व विधायक राजकुमार, जयेंद्र रमोला , मोहित ऊनियाल, ललित जोशी, आदि का समिति द्वारा सम्मान किया।

'पाकिस्तान पर युवा भारत की विजय गाथा'

ललित शर्मा

रविवार को यूएई में भारत ने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को एशिया कप के फाइनल में 5 विकेट से हराकर 9वीं बार एशिया कप का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 84 रन की शानदार शुरुआत की। इसके बाद भारतीय गेंदबाजी ने खेल को पूरी तरह से अपने पाले में ले लिया और विकेटों की झड़ी लगा दी पाकिस्तान की पूरी टीम को 20 ओवर से पहले ही 146 रन पर ऑलआउट कर दिया।

इस टूर्नामेंट में भारतीय आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा जिस रंग से बल्लेबाजी कर रहे थे सभी को उम्मीद थी कि भारत को ठोस शुरुआत देंगे परंतु वह 5 रन बनाकर आउट हो गए। 20 रन पर भारत के तीन महत्वपूर्ण खिलाड़ी आउट हो गए संकट की इस घड़ी से मध्यक्रम के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने शानदार 69 रन की नाबाद अविजित पारी खेलकर भारत को ऐतिहासिक विजय दिलाई।

तिलक वर्मा इस मैच के मैन ऑफ द मैच रहे।भारत ने एशिया कप में 14 दिन में पाकिस्तान को तीन बार हराया। इस टूर्नामेंट में भारत ने अजेय रहते हुए ग्रुप स्टेज में भारत ने यूएई, ओमान और पाकिस्तान को हराया। सुपर फोर स्टेज में भारत ने पाकिस्तान, श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया। इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन भारत के आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 200 के स्ट्राइक रेट के साथ 32 चौकों और 19 छक्कों के साथ 314 रन बनाए इसलिए उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के खिताब से नवाजा गया।

इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट भारत गेंदबाज कुलदीप यादव ने शानदार गेंदबाजी करते हुए टूर्नामेंट में 17 विकेट लिए इस बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द सीरीज दिया गया। फाइनल में 4 विकेट उनके अत्यंत महत्वपूर्ण थे।भारत ने विश्व क्रिकेट में अपनी अलग पहचान और दबदबा बनाया है 2023 के एशिया कप में भारत ने सभी मैच जीते। 2023 के एकदिवसीय विश्वकप में भारत ने केवल एक मैच हारा। 2024 के टी-20 विश्वकप में भारत ने बिना कोई मैच हारे दक्षिण अफ्रीका को हराकर खिताब जीता।

2025 में चैंपियन ट्रॉफी भी भारत ने अपराजेय रहते हुए फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीत लिया। निश्चित ही इस शानदार प्रदर्शन के आधार पर कहा जा सकता है कि वर्तमान समय में भारत की टीम विश्व की सबसे मजबूत टीम है। एशिया कप में भारत की युवा टीम जिस प्रकार बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया है से स्पष्ट होता है भारतीय क्रिकेट टीम का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। निस्संदेह यह जीत आने वाले समय में भारत को विश्व क्रिकेट का निर्विवाद बादशाह बना देगी।

सबसे अच्छी योजना व्यक्ति की जरूरत पर निर्भर करती है: सिमरन

हमारे संवाददाता

ऋषिकेश। डाकघर एक सार्वजनिक सुविधा और खुदरा विक्रेता है जो डाक सेवाएं प्रदान करता है जैसे पत्र और पार्सल स्वीकार करना, डाकघर बॉक्स उपलब्ध कराना और डाक टिकट पैकजिंग और स्टेशनरी बेचना, इसके अलावा डाकघर अतिरिक्त सेवाएं भी प्रदान करता है।

उक्त विचार डिप्टी पोस्ट मास्टर कृष्ण गोपाल राष्ट्रीय बचत अभिकर्ता संगठन ऋषिकेश द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में बोल रहे थे। उन्होने कहा कि डाकघर में सेवाएं प्रदान की जाती हैं बैंकिंग सेवा, पैसे जमा निकालने के लिए एटीएम सेवा, नगद निकासी के लिए सेवा, लोकप्रिय और लाभप्रद योजनाओं में बचत योजनाएं शामिल है। पोस्टमास्टर कृष्ण कुमार सिंह यादव ने कहा कि डाकघर में बहुत सारी बचत योजनाएं हैं। जिसमें लोगों को अधिक से अधिक धन जमा करना चाहिए।

राष्ट्रीय बचत अभिकर्ता संगठन के तत्वावधान में डाक ऋषिकेश में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया । जिसमें पोस्ट मास्टर कृष्ण कुमार यादव, डिप्टी पोस्टमास्टर कृष्ण गोपाल, मनोज जैन एवं श्रीमती शीतल भारद्वाज को संगठन की ओर से शॉल उड़ाकर, बुके स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अभिकर्ता अजय ब्रेजा ने गीत प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया जबकि हंसराज मैंदोलिया ने कविता पाठ प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय बचत अभिकर्ता संगठन के अध्यक्ष के के सचदेवा ने सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्य डाकघर ऋषिकेश में 2022 से 2025 तक उत्कृष्ट कार्य करने के लिए हमारी संस्था ने इनका सम्मान किया। उन्होंने कहा भविष्य में भी जो लोग डाकघर में उत्कृष्ट कार्य करेंगे उनको संस्था द्वारा समय-समय पर सम्मानित किया जाता रहेगा ।

सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि नगर निगम पार्षद श्रीमती सिमरन उप्पल ने दीप प्रचलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर श्रीमती उप्पल ने सभी सम्मानित हुए अधिकारियों का अभिनंदन किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा पोस्ट ऑफिस में सबसे अच्छी योजना व्यक्ति की जरूरत पर निर्भर करती है । समारोह की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष के के सचदेवा व संचालन कृष्ण कुमार सिंधी ने किया।

क्लीन एंड ग्रीन एनवायरनमेंट समिति ने किया इस मानसून सत्र का 14वाँ वृक्षारोपण

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। क्लीन एंड ग्रीन एनवायरनमेंट समिति द्वारा इस मानसून सत्र का 14वाँ वृक्षारोपण अभियान भवानी बालिका इंटर कालेज, बल्लूपुर, देहरादून में सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के 50 से अधिक वृक्षों का रोपण किया गया। लगाए गए वृक्षों में नीम, पिलखन, अर्जुन, सिल्वर ओक, कनेर, बॉटल ब्रश, इत्यादि के वृक्ष शामिल किए गए।

समिति द्वारा इस वर्ष अभी तक 2300 से अधिक वृक्षों का रोपण सफलतापूर्वक किया जा चुका है। भवानी बालिका इंटर कॉलेज की प्रिंसिपल ने समिति से अपने स्कूल के खाली पड़े मैदान ने वृक्षारोपण किए जाने हेतु समिति से आग्रह किया जिसे स्वीकार करते हुए समिति ने यहां वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम किया।

बीते माह में उत्तराखंड और देहरादून में अत्यधिक वर्षा के कारण प्रकृति को

बहुत नुकसान पहुंचा है जिसकी भरपाई समिति क्लीन एंड ग्रीन एनवायरमेंट द्वारा वृक्षों को लगाकर किया जा रहा है। स्कूल प्रबंधन द्वारा समिति के प्रयासों की सराहना की गई और लगाए गए वृक्षों की देखरेख करने का वायदा किया गया।

इस वृक्षारोपण अभियान में समिति के अध्यक्ष राम कपूर, उपाध्यक्ष रणदीप अहलूवालिया, सचिव जे पी किमोठी, कोषाध्यक्ष शंभू शुक्ला, मनोज श्रीवास्तव, दीपक सिंह, अमरनाथ कुमार, राजेश बाली, सोनिया सिंह तथा पीयूष निगम प्रकाश गोदियाल, उपस्थित रहे।

लेजर हेयर रिमूवल ट्रीटमेंट क्या है? जानिए इससे जुड़े फायदे और नुकसान

शरीर से अनचाहे बालों को हटाने के लिए शेविंग, वैक्सिंग, थ्रेडिंग जैसे पारंपरिक तरीके अपनाए जाते हैं, लेकिन इनमें अधिक समय और मेहनत लगने के कारण अब पेशेवर लोग लेजर हेयर रिमूवल ट्रीटमेंट पर फोकस करने लगे हैं। इसमें इस्तेमाल होने वाली लेजर बीम भाप के जरिए सीधे रोमछिद्रों से बाल साफ करती है। आइए जानते हैं कि यह ट्रीटमेंट कितना प्रभावी है।

क्या सुरक्षित है लेजर हेयर रिमूवल ट्रीटमेंट?

लेजर हेयर रिमूवल ट्रीटमेंट सुरक्षित और प्रभावी है। यह अनचाहे बालों को बढ़ने से रोकने में मदद कर सकता है। इसमें वैक्सिंग की तुलना में दर्द भी नहीं होता है। हालांकि, इसके लिए आपको कई सेशन लेने पड़ सकते हैं। अगर आप यह ट्रीटमेंट लेना चाहते हैं तो पहले किसी त्वचा रोग विशेषज्ञ सलाह जरूर लें। इसका कारण है कि यह हर किसी को सूट नहीं करता है।

क्या है इस ट्रीटमेंट के नुकसान?

इस ट्रीटमेंट के बाद मामूली दुष्प्रभाव सामने आ सकते हैं। इनमें त्वचा का लाल होना और जलन होना आम है। अगर दुष्प्रभाव गंभीर हों तो तत्काल त्वचा विशेषज्ञ से संपर्क करना चाहिए। शरीर के कोमल हिस्सों से बाल हटवाते समय दुष्प्रभावों की संभावना अधिक होती है। हालांकि, इस तरह के दुष्प्रभाव बालों को हटाने की अन्य प्रक्रियाओं के बाद भी दिखाई दे सकते हैं। इससे राहत पाने के लिए प्रभावित हिस्से पर आइस पैक लगाएं।

ट्रीटमेंट के गंभीर दुष्प्रभाव

त्वचा का रंग बदलना: हाल ही में सनटैन कराने वालों में इसका खतरा अधिक रहता है। पेरडाक्सिकल हेयर ग्रोथ: इसकी संभावना बुहत कम होती है, लेकिन कुछ लोगों में यह समस्या हो सकती है।

फफोले: इस ट्रीटमेंट के तुरंत बाद धूप में जाने से त्वचा पर फफोले पड़ने का खतरा बढ़ जाता है। अगर लेजर हेयर रिमूवल ट्रीटमेंट सही तरह से न किया जाए तो भी त्वचा पर फफोले पड़ सकते हैं।

गर्भवती महिलाओं को यह ट्रीटमेंट लेना चाहिए?

विशेषज्ञों के अनुसार, गर्भावस्था में यह ट्रीटमेंट नहीं लेना चाहिए। इससे शिशु पर बुरा असर पड़ने का खतरा रहता है। हालांकि, गर्भावस्था में महिलाओं में कई हार्मोनल बदलाव होने के कारण अनचाही जगहों पर अतिरिक्त बाल उग आते हैं। ऐसे में परेशान होने की जगह गर्भवती महिलाएं डॉक्टरी सलाह से बालों को हटाने की अन्य प्रक्रियाओं को आजमा सकती हैं।

इन बातों का रखें विशेष ध्यान

इस ट्रीटमेंट से तीन दिन पहले त्वचा पर हाइड्रोक्सी एसिड, सैलिसिलिक एसिड, रेटिनोल और बेंजोइल पेरोक्साइड युक्त स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल न करें। धूप में जाने से बचें और त्वचा को माइल्ड क्लींजर से साफ करें। इसी तरह डॉक्टर की सलाह पर ही ट्रीटमेंट को लेने पर निर्णय करें। अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है तो इससे बचना ही आपके लिए सही रहेगा।

हैमस्ट्रिंग को मजबूती देने में मदद कर सकती हैं ये एक्सरसाइज

हैमस्ट्रिंग दोनों जांघों के पीछे मौजूद मांसपेशियों को कहा जाता है। ये मांसपेशियां कूल्हों से घुटनों तक के बीच होती हैं। अगर किसी कारणवश इन मांसपेशियों में खिंचाव आ जाता है तो इसके कारण तेज दर्द होने लगता है और चलने-फिरने से लेकर बैठने-उठने तक में समस्या होने लगती है। आइए हम आपको पांच ऐसी एक्सरसाइज के बारे में बताते हैं, जो हैमस्ट्रिंग को खिंचाव आदि से सुरक्षित रखते हुए मजबूती देने में मदद कर सकती हैं।

रिवर्स प्लैंक एक्सरसाइज

इस प्लैंक एक्सरसाइज के लिए जमीन पर पैरों को फैलाकर बैठ जाएं, फिर अपने दोनों हाथों को पीठ के पीछे ले जाएं और हथेलियों को जमीन पर रखें। इसके बाद सामान्य सांस लेते रहें और अपने शरीर को पीछे की ओर करते हुए शरीर को अपनी क्षमतानुसार उठाने की कोशिश करें। इस दौरान अपने सिर को भी पीछे की ओर झुकाएं और अपने तलवों को जमीन से सटाएं। कुछ देर इसी स्थिति में रहने के बाद धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं।

गुड मॉर्निंग एक्सरसाइज

सबसे पहले जमीन पर अपने पैरों को थोड़ा खोलकर खड़े हो जाएं और अपने हाथों को अपने कानों पर रखें। अब अपने घुटनों को थोड़ा मोड़कर आगे की ओर झुकें। जब तक आप फर्श के समानांतर न हों तब तक अपने सिर को नीचे करके रखें। प्रारंभिक स्थिति में वापस आने के लिए धीरे-धीरे अपने शरीर को सीधा करें। आप चाहें तो इस एक्सरसाइज को करते समय अपनी पीठ पर एक बारबेल भी रख सकते हैं।

स्क्वाट एक्सरसाइज

सबसे पहले अपने दोनों हाथ सामने की ओर खोलकर सीधे खड़े हो जाएं। अब धीरे-धीरे अपने घुटनों को मोड़ते हुए ऐसे बैठें, जिस तरह से कुर्सी पर बैठा जाता है। इसके बाद सांस भरते हुए धीरे-धीरे नीचे झुकें और फिर ऊपर आते समय सांस छोड़ें। ऐसा आप 10 मिनट तक कर सकते हैं। शुरूआत में 10 स्क्वाट करें और फिर धीरे-धीरे 12-15 तक ले जाएं।

सफेद कद्दू को डाइट में करें शामिल, मिलेंगे कई स्वास्थ्य लाभ

सफेद कद्दू इंग्लैंड में काफी लोकप्रिय है और वहां इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से सजावट के लिए किया जाता है। खासतौर से यह कद्दू हैलोवीन के लिए सजावट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। सजावटी उद्देश्यों के रूप में इस्तेमाल किए जाने के अलावा सफेद कद्दू तरह-तरह की पाई और सूप सहित कई व्यंजनों का स्वाद बढ़ा सकता है, वहीं इसके सेवन से कई तरह के स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। आइए जानते हैं कि सफेद कद्दू कैसे स्वास्थ्यवर्धक है।

तनाव कम करने में मददगार

शरीर में ट्रिप्टोफैन की कमी तनाव पैदा करने के लिए जिम्मेदार होती है। ऐसे में सफेद कद्दू का सेवन करना अच्छा हो सकता है। सफेद कद्दू एल-ट्रिप्टोफैन से भरपूर होता है। यह रासायनिक यौगिक उदास मनोदशा को ठीक करने, खुशी और कल्याण की भावना प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस तरह से सफेद कद्दू तनाव को कम करने में मददगार साबित हो सकता है।

हृदय को स्वस्थ रखने में सहायक

सफेद कद्दू में उच्च मात्रा में फाइटोस्टेरॉल होता है। यह यौगिक खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करके अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाने में मदद कर सकता है। खराब कोलेस्ट्रॉल का अधिक स्तर ही कई हृदय रोग का कारण बन सकता है। ऐसे में इसके नियंत्रित रखना बेहद जरूरी होता है। इसके अतिरिक्त सफेद कद्दू ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में भी सहायक हो सकता है।

आंखों के स्वास्थ्य के लिए भी है फायदेमंद

सफेद कद्दू में ल्यूटिन और जेक्सैंथिन प्रचुर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो आंखों को मुक्त कणों से होने वाले नुकसान से बचाने और मोतियाबिंद जैसी आंखों की बीमारियों का खतरा कम करने में मदद कर सकते हैं। इस कद्दू का नियमित रूप से सेवन आंखों के स्वास्थ्य को बेहतर करने में मदद कर सकता है। इसका कारण है कि इसमें विटामिन- ए की भरपूर मात्रा होती है।

प्रोस्टेट कैंसर से सुरक्षित रखने में हो सकता है मददगार

सफेद कद्दू और इसके बीजों में कैरोटेनॉयड्स और जिंक की उच्च मात्रा होती है, जो प्रोस्टेट कैंसर से सुरक्षा प्रदान करने में मदद कर सकते हैं। ये यौगिक प्रोस्टेट के बढ़ने के साथ-साथ इर्रिटेबल ब्लैडर की समस्याओं को बचाने में भी मदद करते हैं। सफेद कद्दू के बीजों का इस्तेमाल बिनाइन प्रोस्टेटिक हाइपरप्लेसिया के उपचार के लिए भी किया जा सकता है।

इम्यूनिटी बढ़ाने में है कारगर

सफेद कद्दू विटामिन-ए, विटामिन-सी, मैग्नीशियम और पोटैशियम से भरपूर होता है, जो शरीर की इम्यूनिटी को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, इसमें कैल्शियम, फाइबर, आयरन, कॉपर और फ्लेवोनोइड्स की अधिक मात्रा भी मौजूद होती है, जो इसे संक्रमण से लड़ने वाले ऊतकों और कोशिकाओं के उचित विकास के लिए महत्वपूर्ण बनाते हैं। इस कारण सफेद कद्दू के विभिन्न व्यंजनों का सेवन करना अच्छा है।

इन रंगों की लिपस्टिक से मिलेगा आकर्षक लुक

एक समय था जब लोग सुंदरता को रंग से जोड़ते थे और सांवलेपन को लेकर महिलाएं चिंता में रहती थीं। सांवली त्वचा वाली महिलाओं की सबसे बड़ी परेशानी होती थी कि उनकी स्किन टोन पर किस तरह का मेकअप किया जाए ताकि आकर्षक लुक मिल सकें। लेकिन आज की महिलाओं ने यह साबित कर दिया है कि सिर्फ गोरा रंग होना ही काफी नहीं होता। सांवली रंगत पर भी सब कुछ खिलता है। आज हम बात करने जा रहे हैं सांवली त्वचा वाली महिलाओं के लिए लिपस्टिक शेड्स की जो आपको परफेक्ट लुक दिलाने में मदद करती हैं। चाहे बॉलीवुड की दीवाएं हों या फिर टॉप मॉडल्स, डस्की स्किन में वे ये लिपस्टिक शेड्स आजमाकर गॉर्जियस लुक पाती हैं। आइये जानते हैं इनके बारे में...

चॉकलेट ब्राउन

यह कॉपर ब्राउन से काफी अलग होता है। चॉकलेट ब्राउन बहुत गहरा कलर है। डार्क स्किन टोन पर यह नैचुरल नजर आता है। यदि आप सिंपल लुक में रहना चाहती हैं, तो अपने होंठों पर चॉकलेट ब्राउन शेड ट्राई करें। यह फैशनेबल और बहुत अलग दिखता है।

बेज कलर

बेज कलर किसी भी स्किन टोन और किसी भी कलर की ड्रेस के साथ मैच करता है बेज कलर गोरी रंग की लड़कियों के साथ ही सांवली रंग की लड़कियों पर भी खूब खिलता है। इसे आप किसी भी केजुअल वियर या ऑफिस वियर के साथ आसानी से कैरी कर सकती हैं। यह सांवली

स्किन टोन की महिलाओं के लिए सबसे अच्छा लिपस्टिक शेड है।

मजेंटा

डार्क स्किन के लिए इस शेड्स की लिपस्टिक बेहद पॉपुलर है। यह शेड एशियन डार्क, अफ्रीकन डार्क और अफ्रीकन- एशियन डार्क स्किन टोन के लिए परफेक्ट है। सांवली त्वचा पर मजेंटा शेड काफी खूबसूरत नजर आता है, जो आपकी सुंदरता में चार-चांद लगा देता है।

कॉपर ब्राउन

कॉपर ब्राउन सांवली स्किन टोन वाली महिलाओं पर अत्यधिक आकर्षक लगता है। कॉपर ब्राउन कलर के विभिन्न रंग स्वाभाविक रूप से डस्की स्किन को परफेक्ट लुक देने में मदद करते हैं। यह शेड हर तरह की ड्रेस और इवेंट के साथ काम करता है। इस लिपस्टिक शेड को आप एथनिक और वेस्टर्न किसी भी ड्रेस के साथ ट्राई कर सकती हैं।

रेड

यह कलर हर किसी का फेवरेट है। सांवली त्वचा की महिलाओं पर यह शेड काफी हॉट और सुंदर लगता है। रेड लिप लाइनर से अपने लिप्स को लाइन करें और फिर रेड शेड की लिपस्टिक लगाएं। ऊपर से लाइट ग्लिटर लगाएं। इससे न सिर्फ आपका लुक संवरता है बल्कि आप काफी अलग नजर आ सकती हैं।

पर्पल कलर

पर्पल कलर भले ही थोड़ा डार्क क्यों न लगे लेकिन ये कलर गोरी त्वचा से ज्यादा डस्की यानी सांवली त्वचा पर खिलता है। इस स्किन टोन की महिलाएं अपनी किसी भी ड्रेस के साथ इस लिपस्टिक को ट्राई करके परफेक्ट दिख सकती हैं।

रोज पिंक

रोज के चमकीले शेड्स सांवली त्वचा पर खूबसूरत नजर आते हैं। डार्क स्किन के लिए कोरल पिंक या रोज पिंक शेड्स परफेक्ट हैं। मार्केट में रोज के अलग-अलग शेड्स उपलब्ध हैं। अपनी पसंद के अनुसार इन शेड्स का इस्तेमाल कर आप अपने लुक को संवार सकती हैं।

न्यूड

अगर आप सिंपल, सॉफ्ट और फॉर्मल लुक चाहती हैं तो न्यूड लिपस्टिक से बेहतर और क्या हो सकता है। अपने होठों को ब्रोंज से लाइन करें और सावधानी से न्यूड लिपस्टिक लगाएं। इस शेड में सांवली त्वचा की खूबसूरती निखरकर सामने आती है।

कपड़े धोते समय न करें ये 5 गलतियां, कपड़ों का होगा नुकसान

कपड़े धोना एक रोजमर्रा का काम लगता है, लेकिन इसमें कई छोटी-छोटी गलतियां हो जाती हैं, जो कपड़ों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। उदाहरण के लिए अगर आप हमेशा गर्म पानी का इस्तेमाल करते हैं या कपड़ों को अधिक धोने की कोशिश करते हैं तो इससे आपके कपड़े जल्दी खराब हो सकते हैं। आइए आज हम आपको उन गलतियों के बारे में बताते हैं, जिनसे आपको कपड़े धोते समय बचना चाहिए ताकि आपके कपड़े लंबे समय तक नए लगे।

कपड़ों को निचोड़ना आसान लग सकता है, लेकिन यह एक बड़ी गलती है। जब आप कपड़ों को जोर-जोर से निचोड़ते हैं तो उनके धागे कमजोर हो जाते हैं और वे जल्दी फट सकते हैं या उनका आकार बिगड़ सकता है। बेहतर होगा कि आप कपड़ों को धोने के बाद उन्हें हल्के हाथों से फैलाकर सुखाने के लिए रख दें। इससे वे जल्दी सूखेंगे और उनका आकार भी सही रहेगा।

अधिकतर लोग गंदे कपड़ों को साफ करने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन यह भी एक गलती है। गर्म पानी से कपड़ों की गंदगी तो निकल जाती है, लेकिन इससे कपड़े जल्दी घिस जाते हैं या उनका रंग उड़ सकता है, खासकर ऊनी और रेशमी कपड़ों पर इसका बुरा असर पड़ता है। इसलिए हमेशा ठंडे पानी का इस्तेमाल करें और केवल बहुत गंदे कपड़ों पर ही हल्के गर्म पानी का इस्तेमाल करें।

डिटर्जेंट का अधिक इस्तेमाल करना भी एक आम गलती है। लोग सोचते हैं कि जितना ज्यादा डिटर्जेंट डालेंगे उतना अच्छा धोएंगे, लेकिन ऐसा नहीं होता है। अधिक डिटर्जेंट डालने से कपड़ों पर सफेद दाग पड़ सकते हैं और वे कठोर हो जाते हैं। इससे उनकी कोमलता कम होती है और वे जल्द खराब हो सकते हैं। इसलिए हमेशा सही मात्रा में डिटर्जेंट का इस्तेमाल करें ताकि आपके कपड़े लंबे समय तक नए जैसे दिखें।

अलग-अलग रंगों के कपड़ों को एक साथ धोना भी गलत है क्योंकि इससे रंग मिल सकते हैं और आपके कपड़े खराब दिख सकते हैं, खासकर नए कपड़ों में यह समस्या अधिक होती है। इसलिए हमेशा सफेद रंग के कपड़ों को अलग धोएं और अन्य रंगों वाले कपड़ों को अलग। इससे आपके सभी कपड़े सही तरीके से धुलेंगे और उनका रंग भी खराब नहीं होगा। इसके अलावा कपड़ों के धागे भी सुरक्षित रहेंगे।

अगर आपके पास धोने की मशीन है तो इसका मतलब यह नहीं कि हर बार इसका इस्तेमाल करें। कुछ खास कपड़ों जैसे साड़ी, सूट आदि को हाथों से धोना चाहिए। इससे वे अच्छे से साफ होते हैं और उनकी कोमलता बनी रहती है। इसके अलावा हाथों से धोने पर आप कपड़ों की गंदगी को बेहतर तरीके से देख सकते हैं और उसे हटाने के लिए सही कदम उठा सकते हैं। (आरएनएस)

रोजमर्रा के उपयोग के लिए फाउंडेशन या बीबी क्रीम ?

फाउंडेशन और बीबी क्रीम दोनों ही मेकअप के लिए उपयोगी उत्पाद हैं, जो बेस मेकअप में इस्तेमाल होते हैं। ये चेहरे की त्वचा को एक समान रंग और बनावट देने में मदद करते हैं। हालांकि, इन दोनों में अंतर होते हैं और इन्हें अलग-अलग उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इस लेख में हम जानेंगे कि रोजमर्रा के उपयोग के लिए दोनों में से कौन-सा उत्पाद बेहतर है और किसका इस्तेमाल करने से आपको ज्यादा फायदा होगा।

फाउंडेशन मेकअप का जरूरी और प्रसिद्ध उत्पाद है। इसे चेहरे पर लगाया जाता है, ताकि त्वचा की असमानताओं को छुपाया जा सके। यह त्वचा के रंग को एकसार कर देता है और मेकअप के लिए आधार तैयार करने में मदद करता है। फाउंडेशन की कई किस्में होती हैं तरल, क्रीम और पाउडर जैसी कई किस्में होती हैं, जिन्हें अपनी जरूरत के हिसाब से चुना जा सकता है। हालांकि, फाउंडेशन का उपयोग करने से पहले प्राइमर लगाना जरूरी होता है।

बीबी क्रीम यानी ब्यूटी बाम क्रीम एक हल्का उत्पाद है, जो त्वचा को हल्की चमक प्रदान कर सकता है। यह क्रीम फाउंडेशन की तुलना में कम कवरेज देती है और रोजमर्रा के उपयोग के लिए आदर्श होती है। बीबी क्रीम में आमतौर पर सूर्य की किरणों से सुरक्षा वाले तत्व यानि सनस्क्रीन भी शामिल होती है, जिससे यह आपकी त्वचा को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करती है। यह क्रीम कॉलेज या ऑफिस जाते वक्त लगाई जा सकती है। फाउंडेशन और बीबी क्रीम में मुख्य अंतर उनके कवरेज और उद्देश्य में है। फाउंडेशन उच्च कवरेज प्रदान करता है, जो त्वचा की खामियों को छुपाने में मदद करता है। जबकि बीबी क्रीम हल्का कवरेज देती है और प्राकृतिक लुक प्रदान करती है। इसके अलावा, फाउंडेशन आमतौर पर लंबे समय तक रहता है, जबकि बीबी क्रीम दिनभर टिक नहीं पाती। इसके अलावा, फाउंडेशन की कई किस्में होती हैं, जिनमें से आपकी त्वचा के प्रकार के हिसाब से चयन करना चाहिए। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

एक्वेरियम में रखना चाहते हैं बेट्टा मछली ? खरीदने से पहले जान लें ये बातें

बेट्टा मछली अपने रंग-बिरंगे पंखों और शांत स्वभाव के कारण एक्वेरियम के लिए एक लोकप्रिय विकल्प है। हालांकि, इसे खरीदने से पहले कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि आपकी मछली स्वस्थ और खुशहाल रहे। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे जरूरी टिप्स देंगे, जो आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे। इससे न केवल आपकी मछली खुशहाल रहेगी बल्कि आपके घर की सजावट भी बढ़ेगी। आइए जानें कि बेट्टा मछली खरीदने से पहले क्या-क्या ध्यान रखना चाहिए।

सही आकार का एक्वेरियम चुनें

बेट्टा मछली के लिए एक्वेरियम का आकार बहुत अहम है। छोटे टैंकों में बेट्टा मछली रखने से उसका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। इसलिए एक्वेरियम कम से कम 5-10 गैलन का होना चाहिए ताकि मछली को पर्याप्त जगह मिल सके और उसका माहौल स्थिर रह सके। इसके अलावा बड़े एक्वेरियम में पानी के तापमान और गुणवत्ता को नियंत्रित करना आसान होता है, जिससे आपकी मछली स्वस्थ और खुशहाल रहती है।

पानी की गुणवत्ता का रखें ध्यान

बेट्टा मछली के लिए साफ और ताजा पानी जरूरी है। पानी का अम्लीय स्तर 6.5 से 7.5 के बीच होना चाहिए और पानी में हानिकारक तत्वों की मात्रा कम होनी चाहिए।

हफ्ते में एक बार पानी बदलना चाहिए, लेकिन ध्यान रखें कि नए पानी का तापमान भी समान हो ताकि मछली को झटका न लगे। इसके अलावा पानी में क्लोरीन न हो, इसलिए नल का पानी इस्तेमाल करने से पहले उसे फिल्टर करें।

सही तापमान बनाए रखें

बेट्टा मछली गर्म पानी पसंद करती है, इसलिए एक्वेरियम का तापमान 24 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच होना चाहिए। इसके लिए आप पानी गर्म रखने वाला यंत्र इस्तेमाल कर सकते हैं, जो पानी को स्थिर तापमान पर बनाए रखने में मदद करेगा। इसके अलावा समय-समय पर तापमान जांचते रहें ताकि किसी भी तरह की असुविधा से बचा जा सके और आपकी मछली स्वस्थ और खुशहाल रहे।

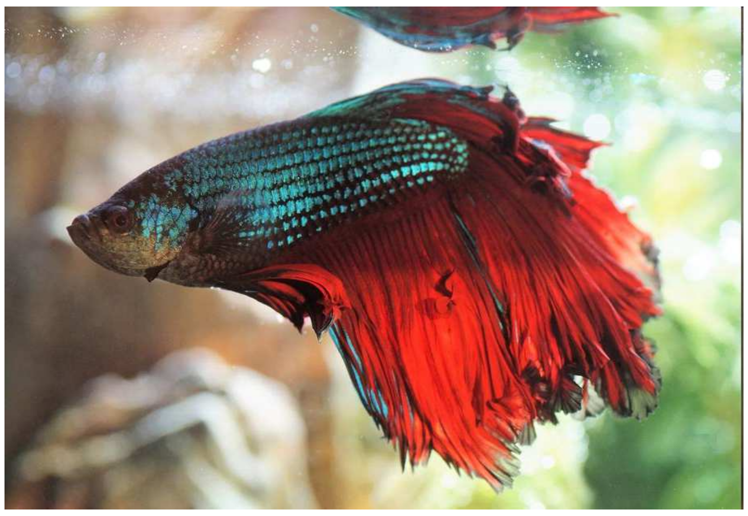

अन्य मछलियों के साथ मिलान करें

अगर आपके एक्वेरियम में अन्य मछलियां भी होंगी तो उनकी प्रजाति का ध्यान रखें। कुछ प्रजातियां बेट्टा मछली के साथ नहीं रह पातीं या उसे नुकसान पहुंचा सकती हैं। ऐसी प्रजातियों से बचें जो बेट्टा मछली के पंख काट सकती हैं या उसे परेशान कर सकती हैं, जैसे कि तेजतर्रार या आक्रामक मछलियां। इसके बजाय शांत स्वभाव वाली मछलियों का चयन करें ताकि सभी मछलियां मिल-जुलकर रह सकें और बेट्टा मछली खुशहाल रहेगी।

खान-पान पर दें ध्यान

बेट्टा मछली को स्वस्थ रखने के लिए सही खान-पान देना बहुत जरूरी है। बाजार में कई तरह की मछली खाना उपलब्ध होते हैं, लेकिन उनमें से कौन सा सबसे अच्छा है, यह जानना जरूरी है। उच्च गुणवत्ता वाले मछली के खाने का चयन करें, जो विशेष रूप से बेट्टा मछली के लिए बनाए जाते हैं। इसके अलावा हफ्ते में दो बार छोटे हिस्सों में खाना दें और कभी भी ज्यादा खाना न दें ताकि वे स्वस्थ रहें। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -003

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

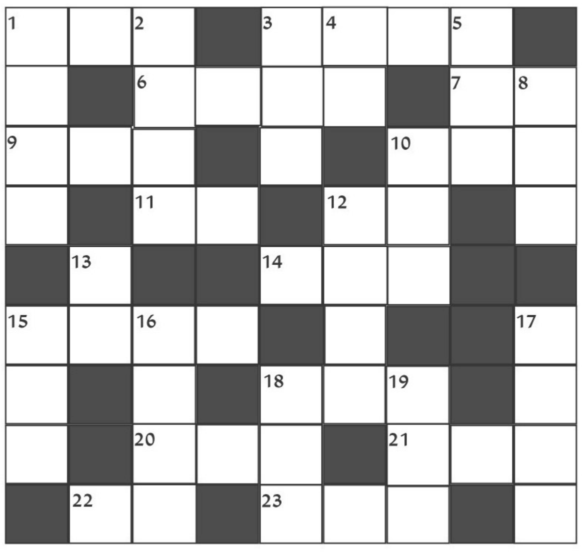

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 02 का हल

ज	ल	3	आ	वा	जा	ही	6	4
मा		खू	ब	8	दू	र	स्थ	
ना	दा	न		सा	ग	10	ल	क्ष्य
12	न	ख		त	र	ल		
12	वी	रा	न		15	च	ट	क
17	र	ब	18	आ	ज	क	ल	
	17	21	आ	ग	19	दा	ना	
23	अ	ग	र	म	ग	र	23	क्रो
भा	भी		ती	न	26		व	ध

धनुष की अपकमिंग फिल्म इडली कडाई का नया गाना इंजामी थंडाने रिलीज

निर्देशक-अभिनेता धनुष की बहुप्रतीक्षित एक्शन एंटरटेनर इडली कडाई बहुत जल्द रिलीज होने वाली है। पहले यह अप्रैल में आने वाली थी, लेकिन इसकी शूटिंग बाकी रह गई, इसलिए इसे अब 1 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म का नया गाना इंजामी थंडाने रिलीज हुआ। इसे धनुष ने खुद अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर शेयर किया। गाने का एक पोस्टर शेयर करते हुए अभिनेता ने लिखा, इडली कडाई का नया गाना इंजामी थंडाने।

उन्होंने गाने का यूट्यूब लिंक भी शेयर किया। गाने में फिल्म के नायक के बारे में बताया गया है कि कैसे वह दूसरों की मदद के लिए खड़ा रहता है। इस गाने को लोग सोशल मीडिया पर काफी पसंद कर रहे हैं।

इस फिल्म में धनुष दोहरी भूमिका में हैं। कुछ दिनों पहले फिल्म की शूटिंग तमिलनाडु के थेनी जिले के अंडीपट्टी में हुई थी। इसके लिए फिल्म क्रू ने नया सेट बनाया था।

इस सेट पर 20 दिनों से अधिक समय तक शूटिंग चली, मगर सेट पर अचानक आग लग गई। तेज हवा के कारण आग एक घंटे तक सुलगती रही। दमकलकर्मी कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने में सफल रहे। गनीमत रही कि सेट पर कोई भी हताहत नहीं हुआ।

धनुष और आकाश भास्करन डान पिक्चर्स के बैनर तले इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। फिल्म में नित्या मेनन धनुष की अपोजिट हैं। इस फिल्म में अरुण विजय, सत्यराज, पार्थिबन, शालिनी पांडे, प्रकाश राज, समुथिरकानी, और राज किरण भी हैं। जीवी प्रकाश कुमार इस फिल्म में संगीत दे रहे हैं। फिल्म में अरुण विजय खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं। धनुष और अरुण विजय के बीच आमना-सामना रोमांचक होगा। फिल्म का निर्माण धनुष की वंडरबार फिल्म्स और डान पिक्चर्स ने संयुक्त रूप से किया है।

माडल एडिन रोज को हुआ क्रिकेटर श्रेयस अय्यर से प्यार!

क्रिकेटर श्रेयस अय्यर आजकल भारतीय क्रिकेट में तेजी से छा रहे हैं। इन दिनों वे अपने खेल के साथ साथ अपनी पर्सनैलिटी और व्यवहार से भी फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच रहे है।

श्रेयस अय्यर के देश और दुनिया में फैंस की कमी नहीं है। एक माडल और अभिनेत्री श्रेयस अय्यर को इस कदर चाहती है कि उन्होंने अय्यर को अपने होने वाले बच्चे का पिता तक मान लिया है। जी हां हम बात कर रहे है बिग बास 18 में भाग ले चुकी कंटेस्टेंट एडिन रोज की, जिन्होंने अपने एक हालिया साक्षात्कार में अय्यर को लेकर यह बयान दिया है।

उनका यह बयान खूब सुर्खियों में छाया हुआ है। उन्होंने कहा कि मैं मन ही मन श्रेयस अय्यर से शादी कर चुकी हूं। मेरा मानना है कि मैं श्रेयस अय्यर के बच्चे की मां हूं। वो मुझे हर रोज प्रेरित करते हैं। उनकी विनम्रता, उनका फोकस और उनका व्यवहार जो मुझे सबसे ज्यादा अच्छा लगता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक एडिन रोज का जन्म दुबई में हुआ था। वे वर्ष 2020 में भारत आकर सेटल हो गई। वे माडलिंग के साथ-साथ अभिनेत्री भी हैं। एडिन रोज ने विराट कोहली और अनुष्का शर्मा को एक परफेक्ट कपल बताया है।

साथ ही उन्होंने अपने आदर्श पार्टनर के बारे में चार आयडल बातों के बारे में भी बात कर चुकी हैं। आपको बता दें कि एडिन रोज अपने इंस्टाग्राम पर फोटोज ओर वीडियोज शेयर करती है, जिनपर फैंस खूब कमेंट और लाइक करते है।

नंदमुरी बालकृष्ण की अखंड 2 की रिलीज डेट स्थगित, निर्माताओं ने बताई वजह

साउथ अभिनेता नंदमुरी बालकृष्ण के फैंस के लिए यह खबर निराशाजनक है क्योंकि उनके पसंदीदा स्टार की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म अखंड 2 की रिलीज डेट को अभी के लिए टाल दिया गया है।

नंदमुरी बालकृष्ण ने आज इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया जो कि फिल्म के निर्माताओं ने लिखा है। उन्होंने इस नोट में लिखा, नंदमुरी बालकृष्ण की अखंड 2 को और बेहतर बनाने के लिए री-रिकॉर्डिंग, वीएफएक्स और पोस्ट-प्रोडक्शन के लिए और समय चाहते हैं। नई रिलीज तारीख बाद में बताई जाएगी। यह खबर बालकृष्ण के प्रशंसकों के लिए निराशाजनक है, जो इस एक्शन फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

फिल्म अखंड 2 में नंनदमुरी बालकृष्ण के अलावा संयुक्ता मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा फिल्म में आधी पिनिसेट्टी खलनायक बने हैं। इनके अलावा खेल खेल में एक्ट्रेस प्रज्ञा जायसवाल और बजरंगी भाईजान की मुन्नी उर्फ हर्षाली मल्होत्रा भी अहम किरदार में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्माण राम अचंता और गोपीनाथ अचंता 14 रील्स प्लस बैनर के तहत कर रहे हैं। इस फिल्म का संगीत थमन ने तैयार किया है। यह साल 2021 में आई अखंड का ही सीक्वल है। फिल्म का टीजर बालकृष्ण के जन्मदिन के अवसर पर जारी किया गया था। फिल्म अखंड 2 का निर्देशन बोयापति श्रीनु ने किया है। अखंड का निर्देशन भी उन्होंने किया था, जो कि बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही थी।

2 अक्टूबर को आएगी ऋषभ शेट्टी की कांतारा: चैप्टर 1

होम्बले फिल्म्स की कांतारा: चैप्टर 1 इस समय इंडियन सिनेमा की सबसे ज़्यादा सुर्खियों में रहने वाली फिल्म है, जिसका बेसब्री से दर्शकों द्वारा इंतजार किया जा रहा है। यह फिल्म असल में अपनी घोषणा के समय से ही चर्चा में बनी हुई है। एक शानदार सिनेमाई अनुभव के रूप में आती इस फिल्म के जरिए मेकर दर्शकों को एक अनोखा विजुअल अनुभव देने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि यह फिल्म आईमैक्स फार्मेट में भी रिलीज की जाएगी।

इसी के साथ फिल्म कांतारा चैप्टर के मोस्ट अवेटेड ट्रेलर की रिलीज डेट से भी पर्दा उठ चुका है। मेकर्स ने एक पोस्टर के साथ ऐलान किया है कि फिल्म का ट्रेलर 22 सितंबर को 12:45 बजे रिलीज होगा। अब फैंस के बीच फिल्म को लेकर और भी उत्साह बढ़ने वाला है।

कांतारा: चैप्टर 1 के मेकर्स ने अपने सोशल मीडिया पर एक थ्रिल से भरा पोस्टर शेयर करते हुए फिल्म के आईमैक्स रिलीज की घोषणा की है। उन्होंने इसके साथ ही कैप्शन में लिखा है, पवित्र जड़ों से, एक कहानी जागती है, 2 अक्टूबर से पूरे दुनिया में कांताराचैप्टर 1 को एक्सक्लूसिव तौर से आईमैक्स में देखें, आप सभी के लिए एक अनोखा फिल्म देखने का अनुभव इंतजार कर रहा है।

उत्साह बढ़ते ही, डायरेक्टर आफ फोटोग्राफी, अरविंद कश्यप ने एक दिलचस्प बात बताई कि फिल्म का कुछ हिस्सा आईमैक्स और पीएक्सएल फार्मेट में शूट किया गया है। उन्होंने कहा, हमने कई अहम सीन खास तौर पर आईमैक्स और पीएक्सएल फार्मेट के लिए शूट किए। आईमैक्स पर इसे देखना सच में बेजोड़ यानी एकदम अलग तरह का सिनेमाई अनुभव होगा।

कांतारा: चैप्टर 1 हाम्बले फिल्म्स की सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। इस फिल्म की क्रिएटिव टीम में म्यूजिक डायरेक्टर बी। अजनीश लोकनाथ, सिनेमैटोग्राफर अरविंद कश्यप और प्रोडक्शन डिज़ाइनर विनेश बंग्लान शामिल हैं, जिन्होंने मिलकर फिल्म को दमदार विजुअल और भावनात्मक कहानी को आकार दिया है।

इसके अलावा, होम्बले फिल्म्स 2022 की इस ब्लाकबस्टर फिल्म की विरासत को आगे ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। मेकर्स ने कांतारा: चैप्टर 1 के लिए नेशनल और इंटरनेशनल स्पेशलिस्ट के साथ एक बड़ा वार सीक्वेंस तैयार किया है, जिसमें 500 से ज़्यादा कुशल फाइटर्स और 3,000 लोग शामिल हैं। यह सीक्वेंस 25 एकड़ में फैले एक पूरे शहर में, ऊबड़-खाबड़ इलाके में 45-50 दिनों के दौरान फिल्माया गया था, जो इसे भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे बड़े सीक्वेंसेज में से एक बनाता है।

यह फिल्म 2 अक्टूबर को दुनिया भर में काड़, हिंदी, तेलुगु, मलयालम, तमिल, बंगाली और अंग्रेजी भाषाओं में रिलीज होगी। यह अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए भी अलग-अलग भाषाओं और क्षेत्रों के दर्शकों तक पहुंचेगी।

फिल्म कांतारा: चैप्टर 1 के साथ, होम्बले फिल्म्स भारतीय सिनेमा की सीमाओं को आगे बढ़ा रही है। यह फिल्म लोककथाओं, आस्था और सिनेमा की शानदार कारीगरी का जश्न मनाती है।

सिनेमाघरों में के बाद अनुष्का शेट्टी की घाटी ओटीटी पर देगी दस्तक

कृष जगरलामुदी द्वारा निर्देशित अनुष्का शेट्टी की फिल्म घाटी ने अपने आशाजनक संयोजन के बावजूद बॉक्स ऑफिस पर कथित तौर पर खराब प्रदर्शन किया है। विक्रम प्रभु अभिनीत यह एक्शन ड्रामा दर्शकों के बीच पर्याप्त उत्साह पैदा करने में विफल रही और 5 सितंबर, 2025 को रिलीज़ होने पर इसे मिश्रित समीक्षाएं मिलीं। मधरसी और लिटिल हार्ट्स जैसी अन्य फिल्मों के साथ फिल्म की समवर्ती रिलीज़ ने इसके फीके प्रदर्शन में योगदान दिया हो सकता है।

यह फिल्म पूर्वी घाट में शोषण और आपराधिक गिरोहों के खिलाफ एक हाशिए पर पड़े समुदाय की लड़ाई की कहानी पर आधारित है, जिसमें अनुष्का शेट्टी एक रोमांचक एक्शन-क्राइम भूमिका में हैं। हालाँकि फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन निराशाजनक रहा, लेकिन इसके डिजिटल अधिकारों के सौदे ने काफी रुचि पैदा की है। अमेज़न प्राइम वीडियो ने रिकॉर्ड तोड़ कीमत पर स्ट्रीमिंग अधिकार हासिल कर लिए हैं, जो अनुष्का शेट्टी की अब तक की सबसे बड़ी डिजिटल अधिकारों की बिक्री है।

घाटी का प्रीमियर अमेज़न प्राइम वीडियो पर 2 अक्टूबर, 2025 को होगा, जो सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लगभग एक महीने बाद होगा। जॉन विजय, रवींद्र विजय, जिशु सेनगुप्ता और जगपति बाबू जैसे कलाकारों ने फिल्म की लोकप्रियता को और बढ़ा दिया है। मिश्रित समीक्षाओं के बावजूद, फिल्म को अनुष्का शेट्टी के प्रभावशाली ऑन-स्क्रीन व्यक्तित्व और फिल्म के गंभीर लहजे के लिए प्रशंसा मिली है।

प्रोडक्शन टीम ने आकर्षक डिजिटल अधिकारों के सौदे की बदौलत बजट का एक बड़ा हिस्सा वसूल कर लिया है। ओटीटी पर इसकी रिलीज़ जल्द ही होने वाली है, इसलिए प्रशंसक अपने घर बैठे आराम से घाटी में अनुष्का शेट्टी के दमदार अभिनय का आनंद लेने के लिए उत्सुक हैं।

टेक्नोलॉजी के चैंपियन हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

अश्विनी वैष्णव

याद है कि जब सरकारी दस्तावेज बनवाना बड़ा मुश्किल काम हुआ करता था। कई बार चक्कर लगाने पड़ते थे, लंबी लाइनें लगती थीं, और कभी-कभी बेवजह की फीस देनी पड़ती थी। अब वही दस्तावेज़ सीधे आपके फ़ोन पर मिल जाते हैं। यह बदलाव यूं ही नहीं हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने तकनीक को भारत का सबसे बड़ा समान अवसर देने वाला साधन बना दिया। मुंबई का एक रेहड़ी-पटरी वाला भी वही यूपीआई पेमेंट सिस्टम इस्तेमाल करता है, जो एक बड़ी कंपनी का अधिकारी करता है। उनकी सोच में तकनीक पद के अनुरूप किसी ऊंच-नीच को नहीं मानती। यह बदलाव उनकी मूल सोच अंत्योदय को दर्शाता है- यानी कतार में खड़े सबसे आखिरी व्यक्ति तक पहुंचना। हर डिजिटल पहल का मकसद है कि तकनीक को सबके लिए समान रूप से उपलब्ध कराना। गुजरात में शुरू हुए ये प्रयोग ही भारत की डिजिटल क्रांति की नींव बने।

गुजरातः जहां से शुरुआत हुई

मुख्यमंत्री रहते हुए मोदी जी ने तकनीक और नवाचार के ज़रिए गुजरात को बदला। 2003 में शुरू की गई ज्योतिग्राम योजना में फीडर सेपरेशन तकनीक का उपयोग किया गया। इससे ग्रामीण उद्योगों को 24×7 नियमित बिजली मिली और तय समय पर खेतों को बिजली मिलने से ज़मीन के नीचे के पानी का स्तर कम गति से घटने लगा। महिलाएं रात में पढ़ाई कर सकीं और छोटे व्यवसाय फले-फूले, जिससे गाँव से शहर की ओर पलायन घटा। एक अध्ययन के अनुसार, इस योजना पर किए गए 1,115 करोड़ रुपये के निवेश की भरपाई सिर्फ़ ढाई साल में हो गई।

2012 में उन्होंने नर्मदा नहर पर सोलर पैनल लगाने का निर्णय लिया। इस परियोजना से हर साल 1.6 करोड़ यूनिट बिजली बनी, जो लगभग 16,000 घरों के लिए काफ़ी थी। साथ ही, नहर के पानी का वाष्पीकरण कम हुआ और पानी की उपलब्धता बढ़ी। एक ही पहल से कई समस्याओं का समाधान निकालना मोदी जी की तकनीक दृष्टि को दर्शाता है। स्वच्छ ऊर्जा बनाना और पानी बचाना, दोनों साथ-साथ। यह दक्षता और प्रभाव का उदाहरण था, जो साधारण समाधानों से कहीं अधिक था। इस नवाचार को अमेरिका और स्पेन द्वारा अपनाया जाना इसकी प्रभावशीलता को और मज़बूत करता है।

ई-धरा प्रणाली से ज़मीन के कागज़ात डिजिटल हुए। स्वागत पहल से नागरिक वीडियो कांफ्रेंसिंग द्वारा मुख्यमंत्री से सीधे जुड़ सके। ऑनलाइन टेंडरिंग से भ्रष्टाचार पर रोक लगी। इन पहलों से भ्रष्टाचार घटा और सरकारी सेवाओं तक पहुंच आसान हुई। लोगों का शासन पर भरोसा लौटा, जिसका असर गुजरात में लगातार मिलती बड़ी चुनावी सफलताओं में दिखा।

राष्ट्रीय परिदृश्य

2014 में उन्होंने गुजरात के अनुभव और सीख को दिल्ली में उतारा। लेकिन पैमाना कहीं बड़ा था। उनके नेतृत्व में इंडिया स्टैक बना, जो दुनिया का सबसे समावेशी डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर है। इसकी बुनियाद जैम ट्रिनिटी (जन धन, आधार, मोबाइल) पर रखी गई।जन धन खातों ने 53 करोड़ से अधिक लोगों को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ा। जो लोग अब तक आर्थिक रूप से बाहर थे, वे पहली बार औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बने। ठेले वाले, दिहाड़ी मज़दूर और ग्रामीण परिवार, जो केवल नकद पर निर्भर रहते थे, अब बैंक खातों से जुड़े। इससे उन्हें सुरक्षित बचत करने, सीधे सरकारी लाभ पाने और आसानी से क़र्ज़ तक पहुंचने का अवसर मिला। आधार ने नागरिकों को डिजिटल पहचान दी। अब तक 142 करोड़ से ज़्यादा पंजीकरण हो चुके हैं। इससे सरकारी सेवाओं तक पहुंचना आसान हो गया, जहां पहले कई दस्तावेज़ों की जांच की ज़रूरत पड़ती थी। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) ने बिचौलियों को हटा दिया और गड़बड़ी कम की। अब तक डीबीटी से 4.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई है। यही पैसा स्कूल, अस्पताल और अन्य बुनियादी ढांचे बनाने में लगाया जा रहा है।

पहले ग्राहक की पहचान (केवाईसी) की प्रक्रिया कठिन थी। इसमें कागज़ी दस्तावेज़ों की जांच, मैनुअल प्रक्रिया और कई बार की भाग-दौड़ शामिल होती थी। इससे सेवा प्रदाताओं को हर वेरिफ़िकेशन पर सैकड़ों रुपये खर्च करने पड़ते थे। आधार आधारित ई-केवाईसी ने इस खर्च को घटाकर मात्र 5 रुपये में कर दिया। अब छोटे से छोटे लेन-देन भी आर्थिक रूप से संभव हो गए हैं।

यूपीआई ने भारत के भुगतान करने का तरीका बदल दिया। अब तक 55 करोड़ से ज़्यादा लोग इसका इस्तेमाल कर चुके हैं। सिर्फ़ अगस्त 2025 में ही 20 अरब से अधिक लेन-देन हुए, जिनकी कुल राशि 24.85 लाख करोड़ रुपये रही।

आज भारत दुनिया के कुल रियल-टाइम डिजिटल पेमेंट्स का आधा हिस्सा अकेले संभालता है। दस साल पहले भारत ज़्यादातर नकद पर निर्भर था। प्रधानमंत्री मोदी की सोच ने जैम ट्रिनिटी और यूपीआई ढांचे को अंतिम रूप दिया। जब कोविड आया और उन्होंने डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा दिया, तो यह पूरा सिस्टम कामयाब साबित हुआ। नतीजा यह है कि आज यूपीआई, वैश्विक स्तर पर वीज़ा से भी अधिक लेन-देन करता है। एक साधारण मोबाइल फ़ोन अब बैंक, पेमेंट गेटवे और सर्विस सेंटर... सब कुछ बन गया है।

%प्रगति' ने शासन में जवाबदेही लाने का काम किया। यह प्लेटफ़ॉर्म प्रधानमंत्री को सीधे प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग से जोड़ता है, जहां हर महीने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए समीक्षा होती है। जब अधिकारियों को पता होता है कि प्रधानमंत्री लाइव वीडियो में उनका काम देखेंगे, तो जवाबदेही अपने आप बढ़ जाती है। जैसे किसी राजमार्ग परियोजना में देरी हो रही हो, तो प्रगति समीक्षा के दौरान तुरंत उस पर ध्यान दिया जाता है और अधिकारियों को देरी का कारण बताना पड़ता है। इससे तुरंत सुधार होता है और आखिरकार जनता को सीधा लाभ मिलता है।

सबके लिए तकनीक

तकनीक ने खेती और स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी तरह बदल दिया है। हरियाणा के किसान जगदेव सिंह अब फ़सल से जुड़े फैसले लेने के लिए एआई ऐप्स का इस्तेमाल करते हैं। उन्हें मौसम की जानकारी और मिट्टी की सेहत का डेटा सीधे मोबाइल पर मिल जाता है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के ज़रिए 11 करोड़ किसानों को सीधी आय सहायता डिजिटल माध्यम से पहुंचाई जाती है। डिजी-लॉकर के अब 57 करोड़ से ज़्यादा उपयोगकर्ता हैं, जिनमें 967 करोड़ दस्तावेज़ डिजिटल रूप से सुरक्षित रखे गए हैं। आपका ड्राइविंग लाइसेंस, डिग्री सर्टिफ़िकेट, आधार और अन्य सरकारी दस्तावेज़ अब आपके फ़ोन में सुरक्षित रहते हैं। सड़क पर पुलिस चेकिंग के दौरान अब कागज़ ढूंढने की ज़रूरत नहीं। बस डिजी-लॉकर से डिजिटल लाइसेंस दिखा दीजिए। आधार ऑथेंटिकेशन से आयकर रिटर्न भरना भी बेहद आसान हो गया है। जहां पहले ढेर सारे दस्तावेज़ों की फ़ाइलें साथ ले जानी पड़ती थीं, अब सब कुछ आपकी जेब में मोबाइल पर समा गया है।

अंतरिक्ष और नवाचार

भारत ने वह कर दिखाया जो असंभव सा लगता था। मंगल तक पहली कोशिश में पहुंचना और वह भी इतने कम खर्चे में, जितना एक हॉलीवुड फ़िल्म पर भी नहीं लगता। मंगलयान मिशन केवल 450 करोड़ में पूरा हुआ, जिसने साबित किया कि भारतीय इंजीनियरिंग विश्वस्तरीय नतीजे दे सकती है। चंद्रयान-3 ने भारत को चाँद पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला चौथा देश बनाया और चाँद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश। इसरो ने एक ही मिशन में 104 उपग्रह छोड़े, जो एक विश्व रिकॉर्ड है। अब भारतीय रॉकेट 34 देशों के उपग्रह अंतरिक्ष में पहुँचा रहे हैं। गगनयान मिशन भारत को चौथा ऐसा देश बनाएगा जो अपनी स्वदेशी तकनीक से इंसानों को अंतरिक्ष में भेजेगा। प्रधानमंत्री मोदी हमारे वैज्ञानिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे और उनकी क्षमताओं पर पूरा भरोसा जताया।

वैश्विक नेतृत्व

जब कोविड-19 आया, तो पूरी दुनिया वैक्सीन बांटने की अफरा-तफरी से जूझ रही थी। भारत ने अपनी ताक़त दिखाते हुए समाधान दिया। कोविन प्लेटफ़ॉर्म रिकॉर्ड समय में बनाया गया। यह दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान का एक संपूर्ण डिजिटल समाधान था। इस प्लेटफ़ॉर्म ने 200 करोड़ से अधिक वैक्सीन डोज़ को सटीक डिजिटल ढंग से संभाला। न कोई ब्लैक मार्केटिंग, न पक्षपात सिर्फ़ पारदर्शी वितरण। डायनैमिक एलोकेशन की वजह से बर्बादी रुकी। बची हुई वैक्सीन तुरंत उन इलाक़ों में भेज दी जाती थी जहां ज़्यादा ज़रूरत थी। यह उपलब्धि दिखाती है कि जब तकनीक को राजनीतिक इच्छाशक्ति का सहारा मिलता है, तो वह बहुत बड़े स्तर पर और पूरी निष्पक्षता के साथ परिणाम दे सकती है।

मैन्युफैक्चरिंग क्रांति

चीज़ें बनाने का असली नियम यह है कि आप सीधे चिप्स बनाने पर नहीं कूद सकते, पहले बुनियादी चीज़ें सीखनी पड़ती हैं। यह बिल्कुल वैसे है जैसे कोडिंग सीखते समय सबसे पहले हैलो वर्ल्ड से शुरुआत होती है, उसके बाद ही बड़े ऐप्स बनाए जाते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन भी इसी क्रम का पालन करता है। देश पहले असेंबली में महारत हासिल करते हैं, फिर सब-मॉड्यूल्स, कंपोनेंट्स और उपकरणों तक आगे बढ़ते हैं। भारत की यात्रा भी इसी प्रगति को दर्शाती है। प्रधानमंत्री की दृष्टि के तहत, आज हमारी मजबूत इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन क्षमता हमें उन्नत सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग की ओर छलांग लगाने में मदद कर रही है।

भारत लंबे समय से डिज़ाइन टैलेंट का केंद्र रहा है। दुनिया के 20% से ज़्यादा चिप डिज़ाइनर यहीं हैं। अब भारत 2एनएम, 3एनएम और 7एनएम जैसे एडवांस्ड चिप्स डिज़ाइन करने में सक्षम है। ये चिप्स भारत में डिज़ाइन होकर दुनिया भर के लिए बनाए जा रहे हैं।

वर्तमान में फ़ैब्स और पैकेजिंग फ़ैसिलिटीज़ बनाने पर फोकस करना इस प्राकृतिक विकास का अगला कदम है। लेकिन यह सोच केवल निर्माण तक सीमित नहीं है। सेमीकंडक्टर उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले केमिकल्स, गैस और विशेष सामग्री को भी समर्थन दिया जा रहा है।

इससे केवल फैक्ट्रियाँ नहीं, बल्कि एक पूरा ईकोसिस्टम खड़ा हो रहा है। इन क्षेत्रों में बढ़ोतरी प्रधानमंत्री मोदी की वैल्यू चेन की गहरी समझ से संभव हुई है। क्षमता को कदम-दर-कदम विकसित करना और हर चरण को मजबूत बनाना, उसके बाद ही अगले स्तर पर बढ़ना।

बुनियादी ढाँचे में तकनीक

केवड़िया में बनी स्टैच्यू ऑफ यूनिटी 182 मीटर ऊंची है। यह दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है। 3डी मॉडलिंग और ब्रॉन्ज क्लैडिंग तकनीक से बनी यह प्रतिमा हर साल लगभग 58 लाख पर्यटकों को आकर्षित करती है। इस परियोजना से हज़ारों नौकरियाँ बनीं और केवड़िया एक बड़ा पर्यटन केंद्र बन गया।

चिनाब पुल 359 मीटर ऊंचा है, जो कश्मीर को भारत के बाकी हिस्सों से जोड़ता है। आइजोल रेल लाइन कठिन पहाड़ी इलाक़े से होकर गुजरती है और इसमें हिमालयन टनलिंग मेथड का प्रयोग किया गया है, जिसमें कई सुरंगें और पुल शामिल हैं। नया पंबन पुल सौ साल पुराने ढांचे की जगह आधुनिक इंजीनियरिंग से बनाया गया है। ये सिर्फ़ इंजीनियरिंग की अद्भुत कृतियां नहीं हैं, बल्कि यह मोदी जी की उस सोच को दर्शाते हैं जिसमें तकनीक और दृढ़ संकल्प के सहारे भारत को जोड़ा जा रहा है।

मानव जुड़ाव

प्रधानमंत्री मोदी तकनीक को समझते हैं, लेकिन इंसानों को उससे भी बेहतर समझते हैं। उनकी अंत्योदय की सोच ही हर डिजिटल पहल को आगे बढ़ाती है। यूपीआई कई भाषाओं में काम करता है। सबसे गरीब किसान और सबसे अमीर उद्योगपति, दोनों की एक जैसी डिजिटल पहचान है।

सिंगापुर से लेकर फ्रांस तक कई देश यूपीआई से जुड़े हैं। जी-20 ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को समावेशी विकास के लिए ज़रूरी माना है। जापान ने इसके लिए पेटेंट भी दिया है। जो शुरुआत में भारत का समाधान था, वही अब पूरी दुनिया के लिए डिजिटल लोकतंत्र का मॉडल बन गया।

गुजरात में शुरुआती प्रयोगों से लेकर डिजिटल इंडिया के शुभारंभ तक की यात्रा यह दिखाती है कि तकनीक में ज़िंदगी बदलने की शक्ति है। मोदी जी ने तकनीक को शासन की भाषा बना दिया है। उन्होंने साबित किया है कि जब नेता तकनीक को इंसानियत के साथ अपनाते हैं, तो पूरा देश भविष्य की ओर बड़ी छलांग लगा सकता है।

(लेखक भारत सरकार के रेल, आईटी और सूचना एवं प्रसारण मंत्री हैं)

सू- दोकू क्र.

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

‘राम के देश में गोवध भी होता रहे और जय श्री राम-जय श्री राम भी होता रहे ये नहीं चलेगा’

लोकेंद्र सिंह बिष्ट

देवी भागवत कथा के आठवें दिन आज व्यास पीठ पर विराजमान कथा वाचक पंडित श्रीगंगाधर पाठक जी ने कहा कि अब राम के देश में गोवध भी होता रहे और जय श्री राम जय श्री राम भी होता रहे ये नहीं चलेगा।

गढ़ पर्वत पर स्थित सिद्ध पीठ मां रेणुका जी के प्रांगण में देवी भागवत कथा का भव्य दिव्य आयोजन 22 सितंबर से चल रहा है। बरसाली के आराध्य देव भगवान श्री नागराजा जी, सिंगोट गांव से भगवान श्री नागराजा जी, पाव गांव से भगवान श्री नरसिंह देवता, बौन गांव से श्री नागराजा जी, पंजीयला गांव से मां भगवती, मातली से कपिल मुनि महाराज , सिद्ध पीठ मां रेणुका जी सहित 18 गांवों के आराध्य देव देवता विराजमान हुए देवी भागवत कथा श्रवण के लिए। आज 29 सितंबर को 10 दिवसीय देवी भागवत कथा के आठवें दिन कथा व्यास जी ने गोवध और गंगा जी के अवतरण से लेकर उसमें बढ़ते प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए कथा श्रवण में आए हजारों श्रद्धालुओं से मां गंगा जी में प्रदूषण न करने की अपील की।

गोवध पर विस्तार से चर्चा करते हुए व्यास पीठ पर विराजमान हुए वृंदावन से आए विख्यात ज्ञानी कथा वाचक पंडित श्री गंगाधर जी पाठक ने कहा कि गोवंश को आज वैज्ञानिकों ने खतरे में डाल दिया है। गोमाता के साथ अनैतिक तरीकों से गर्भ धारण करवाया जा रहा है जो सनातन धर्म के खिलाफ है। देवी भागवत कथा में मंदिर समिति के अध्यक्ष आलेंद्र सिंह बिष्ट, जगेंद्र सिंह बिष्ट, राजेंद्र सिंह पंवार, अलेल सिंह बिष्ट, देशराज सिंह बिष्ट, राजबीर सिंह नेगी, प्रधान जगेंद्र सिंग बिगाना सहित सभी 18 गांवों के जनप्रतिनिधिगण और जनता जनार्दन शामिल है।

13 जुआरी पकड़े, लाखों की नगदी व ताश की गड्डियां बरामद

हमारे संवाददाता

देहरादून। त्यौहारी सीजन के दौरान दुकान में जुआ खेल रहे 13 जुआरियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से एक लाख 17 हजार की नगदी व ताश की तीन गड्डियां बरामद हुई है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना त्यूणी पुलिस को सूचना मिली कि अटाल स्थित महेशानंद की दुकान में कुछ लोगो के द्वारा अवैध रूप से जुआ खेला जा रहा है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तत्काल उक्त दुकान में दबिश दी गयी, जहां दुकान के अंदर 13 व्यक्ति ताश के पत्तो पर हार जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे थे तथा फर्श पर एक सफेद काली लाल चादर के उपर 500-500 के एक लाख 17 हजार रूपये के नोट पड़े हुए थे। पुलिस ने उनके खिलाफ जुआ अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है। जुआरियों के नाम रोहन सिंह पुत्र भगत राम, निवासी ग्राम चलराणा पो. दईया थाना निरेवा शिमला हिमाचल प्रदेश, रविंद्र पुत्र दुलची राम, निवासी ग्राम ठंडना पो. धवास थाना चौपाल शिमला हिमाचल प्रदेश, कमलजीत पुत्र मस्तराम, निवासी ग्राम बगाहर पो. धवास थाना चौपाल शिमला हिमाचल प्रदेश, श्याम सिंह पुत्र दुलाराम,निवासी ग्राम वगाहर पो. धवास थाना चौपाल शिमला हिमाचल प्रदेश, सचिन पुत्र केसर सिंह, निवासी ग्राम अटाल टुन्नी देहरादून, मोहन सटाईक पुत्र बुद्धि सिंह निवासी ग्राम ठेकरा थाना नेरवा शिमला हिमाचल प्रदेश, जगदीश पुत्र मस्तराम, निवासी, थाना नेरवा शिमला हिमाचल प्रदेश, सतीश शर्मा पुत्र मायाराम शर्मा, निवासी ग्राम अटल ट्यूनिक देहरादून, रमेश पुत्र सादी राम, निवासी ग्राम अटल त्यूनी देहरादून, रमेश उर्फ रिठू पुत्र श्रवण कुमार, निवासी ग्राम अटल त्यूनी देहरादून, सुनील पुत्र रोशन लाल, निवासी ग्राम नेरवा शिमला हिमाचल प्रदेश, भानु शर्मा पुत्र कमल सिंह निवासी ग्राम अटल टुन्नी देहरादून व हेमराज पुत्र मेहसानानंद, निवासी ग्राम अटल शिवानी देहरादून बताये जा रहे है।

जिलाधिकारी ने किया पार्किंग व्यवस्था का औचक निरीक्षण

हमारे संवाददाता

पौड़ी। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने आज पौड़ी नगर के विभिन्न पार्किंग स्थलों का औचक निरीक्षण किया। शहर को जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए उन्होंने यातायात व्यवस्था को सुचारु और व्यवस्थित बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने नगर पालिका, जिला विकास प्राधिकरण तथा अन्य संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पार्किंग स्थलों को जल्द से जल्द व्यवस्थित कर आम जनता को सुविधा उपलब्ध करायी जाय। जिलाधिकारी ने सबसे पहले छतरीधार पर नगर पालिका की स्थायी पार्किंग का सर्वे कर वाहनों को सुव्यवस्थित ढंग से लगाने को कहा। इसके बाद अपर चोपड़ा स्थित जिला विकास प्राधिकरण की निर्माणाधीन पार्किंग का जायजा लिया और निर्माण की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने जेल गधेरे में चिन्हित पार्किंग स्थल का भी निरीक्षण किया और कहा कि ऐसे स्थलों को चिन्हित कर पार्किंग के रूप में विकसित किए जाने की आवश्यकता है, जिससे स्थानीय दुकानदारों एवं नागरिकों को सहूलियत मिल सके। एजेंसी के पास नगर पालिका पार्किंग का मार्ग ब्लॉक पाए जाने पर जिलाधिकारी ने संबंधित स्वामियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस पार्किंग में फिक्स अलॉटमेंट की व्यवस्था की जाय और पार्किंग स्थल का उपयोग केवल निर्धारित उद्देश्य के लिए ही किया जाय। जिलाधिकारी ने सत्यखाल-देहलचौरी मार्ग पर निर्माणाधीन बहुमंजिला पार्किंग का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिशासी अधिकारी तथा संयुक्त मजिस्ट्रेट को इस स्थल को टैक्सी स्टैंड के रूप में विकसित करने के लिए टैक्सी संचालकों के साथ बैठक कर संवाद स्थापित करने के निर्देश दिये। इसी प्रकार शिक्षा विभाग के मंडलीय कार्यालय के पास और जिला अस्पताल परिसर के समीप प्रस्तावित बहुमंजिला पार्किंग स्थलों का भी उन्होंने जायजा लिया। उन्होंने चिकित्सा विभाग के अधिकारियों के साथ मौके पर निरीक्षण कर विस्तृत सर्वे रिपोर्ट शासन को भेजने के निर्देश दिये।

निरीक्षण के दौरान अपर बाजार में नगर पालिका की पार्किंग के स्थल पर अस्थायी टीनशेड डालकर कैफे संचालित होना पाया गया, जिस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी को निर्देश दिए कि उक्त स्थान पर पार्किंग बनायी जाय तथा आवश्यकता होने पर पार्किंग स्थल के ऊपर कैफे का संचालन किया जाय। उन्होंने अव्यवस्थित खड़े वाहनों पर समय समय पर चालानी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए, जिससे राहगीरों को सड़क पर चलने में सहूलियत हो। जिलाधिकारी ने कहा कि नगर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण में संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी, प्रभारी अधिशासी अधिकारी नगर पालिका गायत्री बिष्ट, जिला विकास प्राधिकरण के सहायक अभियंता रणवीर सिंह सहित अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित रहे

जीएसटी-2.0 पारदर्शी भारत की मजबूत नींव हैः त्रिवेन्द्र

हमारे संवाददाता

देहरादून। हरिद्वार सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री त्रवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी- 2.0) केवल व्यापार जगत के लिए ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों के लिए भी लाभकारी साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि इस सुधार ने कर प्रणाली को सरल बनाकर निवेशकों का विश्वास बढ़ाया है और अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान की है।

सांसद श्री रावत ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यदि देश की आर्थिक प्रगति इसी गति से जारी रही, तो जीएसटी और भी प्रभावशाली सिद्ध होगा। उनका स्पष्ट मत था कि इस सुधार का अंतिम उद्देश्य हर नागरिक तक इसका लाभ पहुँचाना है। उन्होंने बताया कि सरकार लगातार सुधारात्मक कदम उठा रही है ताकि जीएसटी और अधिक सुगम, पारदर्शी एवं जनोपयोगी बन सके। सांसद ने कहा कि यह व्यवस्था देश की तरक्की, पारदर्शिता और ‘विकसित भारत 2047’ के लक्ष्य की ओर बढ़ने में एक महत्वपूर्ण उपकरण है। सांसद रावत ने सभी से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि जीएसटी न केवल आर्थिक उन्नति का माध्यम है, बल्कि राष्ट्र की विकास यात्रा में जनता की भागीदारी और विश्वास का प्रतीक भी है।

सैनिक कल्याण मंत्री ने शहीद के आंगन से मिट्टी लेकर ताम्र कलश में किया संग्रहण

हमारे संवाददाता

देहरादून। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने आज शहीद सम्मान यात्रा 2.0 के अंतर्गत अमर शहीद लेफ्टिनेंट प्रतीक आचार्य के नैशविला रोड डोभालवाला स्थित आवास पर पहुंचकर उनके परिजनों से भेंट की। इस दौरान मंत्री जोशी ने शहीद के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके आंगन की पवित्र मिट्टी का ताम्रकलश में संग्रहण किया।

उन्होंने शहीद के परिजनों को आगामी 5 अक्टूबर को लैंसडौन में आयोजित होने वाले शहीद सम्मान समारोह में शामिल होने का आमंत्रण भी दिया। मंत्री ने कहा कि गुनियाल गांव, देहरादून में शौर्य स्थल (सैन्य धाम) का निर्माण कराया जा रहा है, जिसमें प्रदेश के सभी शहीद सैनिकों के घर-आंगन की मिट्टी स्थापित की जाएगी। शहीद सम्मान यात्रा 2.0 का समापन 5 अक्टूबर को लैंसडौन में किया जाएगा, जहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शहीद परिवारों को सम्मानित करेंगे।

सर्जिकल स्ट्राइक की गौरवमयी वर्षगांठ पर शौर्य दिवस का स्मरण करते हुए मंत्री जोशी ने कहा कि 2016 में भारतीय सेना ने आतंकवादियों के ठिकानों को ध्वस्त कर दुनिया को सशक्त भारत के शौर्य और पराक्रम का परिचय कराया था। उन्होंने कहा कि यह शहीद सम्मान यात्रा उन अमर बलिदानियों को समर्पित है, जिनकी शौर्यगाथा सदैव प्रेरणा देती रहेगी। सैनिक कल्याण मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार शहीदों और उनके परिजनों के लिए लगातार कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। शहीद परिवारों को दिया जाने वाला एकमुश्त अनुग्रह अनुदान 10 लाख से बढ़ाकर 50 लाख रुपये किया गया है।

कोरंगा को जबरन उठा ले गई पुलिस

❑खींचातानी में महिलाओं के कपड़े फटे
❑महिलाओं ने पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप, दून में बारिश के बीच भी धरने पर डटे रहे युवा

विशेष संवाददाता

देहरादून/हल्द्वानी। पेपर लीक को लेकर आंदोलन कर रहे युवा बेरोजगारों पर अब पुलिस प्रशासन द्वारा सख्ती बरतना शुरू कर दिया गया है। हल्द्वानी में बीते 5 दिनों से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे भूपेंद्र कोरंगा को आज पुलिस जबरन उठाकर ले गई। इस दौरान आंदोलनकारियों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक और खींचतान हुई, जिसमें एक महिला के कपड़े भी फट गए। उधर राजधानी दून में आज भारी बारिश के बीच भी आंदोलनकारी छात्र धरने पर डटे रहे।

उल्लेखनीय है कि एक सप्ताह पूर्व हुए यूकेएसएसएससी परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक होने के बाद से ही राजधानी दून सहित पूरे प्रदेश में युवाओं द्वारा लगातार सरकार के विरुद्ध धरने प्रदर्शन व भूख हड़ताल का दौर जारी है। आंदोलन युवाओं द्वारा निरंतर किया जा रहा है, इस आंदोलन को समाप्त कराने के लिए सरकार इसकी जांच के लिए एसआईटी का गठन कर चुकी है, लेकिन प्रदेश के युवाओं की मांग है कि इस परीक्षा को तत्काल रद्द किया जाए और दोबारा से परीक्षा कराई जाए तथा पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच कराई जाए।

एक तरफ जहां युवा बेरोजगार अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं वहीं सरकार भी एसआईटी जांच से आगे बढ़ने को तैयार नहीं है। इसे लेकर मुख्यमंत्री धामी द्वारा भले ही यह कहा जा रहा हो कि वह किसी भी तरह की जांच को तैयार हैं लेकिन युवा छात्र उनका भरोसा नहीं कर रहे हैं उनका साफ कहना है कि जब तक परीक्षा रद्द नहीं की जाएगी और सीबीआई जांच के आदेश नहीं दिए जाते हैं वह आंदोलन समाप्त नहीं करेंगे। युवा आज भारी बारिश के बीच भी राजधानी की सड़कों पर जमे रहे।

हल्द्वानी में जारी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल के पांचवें दिन आज पुलिस हड़ताल पर बैठे भूपेंद्र कोरंगा को जबरन उठा कर ले गई जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के साथ इस दौरान युवाओं की भिड़ंत भी हुई, जिसमें महिलाओं के कपड़े तक फट गए। महिलाओं ने पुलिस पर बालों से घसीटने व अभद्रता करने का गंभीर आरोप लगाया। पुलिस के इस तानाशाह रवैया को लेकर छात्रों में भारी आक्रोश है और अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी रखने की घोषणा की गई है।

तमंचा व कारतूस सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। वारदात की फिराक में घूम रहे एक बदमाश को पुलिस ने तमंचा व दो कारतूसों सहित गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार बीती रात कोतवाली गंगनहर पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान जब पुलिस रामपुर चुंगी शराब के ठेके के बगल की कैंटीन में पहुंची तो उसे वहां एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक तमंचा व दो कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में उसने अपना नाम आशीष कश्यप पुत्र संजय कश्यप निवासी पुरानी तहसील, थाना गंगनहर, जनपद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

सीएम ने बहुउद्देशीय शिविर रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

हमारे संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा आज मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय से डॉ. भीमराव अम्बेडकर समाज कल्याण बहुउद्देशीय शिविर रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह रथ 125 दिनों तक राज्य के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में 240 बहुउद्देशीय शिविरों के माध्यम से गरीब, जरूरतमंद एवं वंचित वर्ग के लोगों तक केंद्र एवं राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से ग्राम पंचायत एवं ब्लॉक स्तर की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जायेगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में लाभार्थियों को सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविरों में जनपदों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में सभी लाभार्थी योजनाओं एवं सेवाओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर समाज कल्याण अनुश्रवण समिति के उपाध्यक्ष देशराज कर्णवाल, माटी कला बोर्ड के उपाध्यक्ष शोभाराम प्रजापति, पूर्व विधायक प्रणव चौंपियन सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में एक की मौत, चालक फरार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। सड़क दुर्घटना में देर रात एक तेज रफ्तार कार की चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौत हो गयी। वहीं टक्कर मारने के बाद कार चालक कार लेकर फरार है। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार मेहवड खुर्द उर्फ नागल निवासी इकराम देर रात मेहवड पुल से पैदल अपने घर की ओर जा रहा था। जैसे ही वह मेहवड के पास पहुंचा, तभी पीछे से तेज रफ्तार से आ रही एक कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई। टक्कर मारने के बाद कार चालक फरार हो गया।

सूचना मिलते ही स्थानीय लोग घटनास्थल पर इकट्ठा हो गए और पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। इस दौरान परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश दिखाई दिया। गांव के लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद दिए जाने की मांग भी उठाई है। वही पुलिस ने हादसे का कारण बनी कार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

वाहन चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। वाहन चोरी की घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो शातिरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से चुरायी गयी बाइक भी बरामद हुई है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज प्रदीप पाल पुत्र राम तीर्थ निवासी 65 सोसाइटी एरिया, क्लेमेंट टाउन द्वारा थाना क्लेमेंटटाउन पर तहरीर देकर बताया गया कि अज्ञात चोरों द्वारा घर के बाहर खड़ी उनकी मोटर साइकिल को चोरी कर लिया गया है।

मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा लगातार किये जा रहे प्रयासों से

बीती शाम झील तिराहा भारूवाला के पास से घटना में शामिल 2 आरोपियों को चुरायी गयी बाइक सहित गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में उन्होने अपना नाम लवी चौहान पुत्र सुभाष चौहान निवासी लेन नम्बर सी-20 ओगल भट्टा, थाना क्लेमेंट टाउन, देहरादून व मानव गुप्ता पुत्र संजय गुप्ता निवासी ब्रहमणवाला ओपेजिट डाक्टर आलम, थाना पटेल नगर, देहरादून बताया। बताया कि वे दोनों नशे के आदी है तथा अपनी नशे की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उनके द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था।

नाबालिग का कराया जा रहा था धर्म परिवर्तन, आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पलवल। नाबालिग किशोरी का मस्जिद में धर्म परिवर्तन कराने के दबाव बनाने के मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने एक किशोर आरोपी को संरक्षण में लेते हुए मुख्य आरोपी मौलवी को गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार सदर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर बताया गया था कि 25 सितंबर को शाम करीब 6 बजे वह घर पहुंचा तो उसकी 15-16 वर्षीय नाबालिग बेटी घर पर नहीं थी, जिसको वह, उसकी पत्नी और एक अन्य खोजने के लिए गांव में निकले तो बड़ी मस्जिद से उसकी बेटी के चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। बेटी की आवाज सुनकर वे जब मस्जिद के अंदर गए तो देखा कि मस्जिद मौलवी व एक अन्य व्यक्ति दोनों लड़की से झगड़ा कर रहे थे। उस समय वहां पर 4 अन्य नामजद और दो महिलाएं योजनाबद तरीके से अपने हाथों में कुरान लेकर धर्म परिवर्तन करा रही थी। उन्होंने अंदर जाकर बच्ची को उनके चंगुल से छुडाकर शोर मचाया। उन्हें देखकर लड़की रोई और बताया कि मौलवी ने उसके हाथ से कलावा काट दिया और उसके माथे से

तिलक को मिटा दिया है। इसके बाद इन्होंने उसपर नमाज पढ़ने और धर्म परिवर्तन करने का दबाब बनाते हुए मौलवी ने उसके साथ बदतमीजी की और छेड़छाड़ की है। जब वे मस्जिद से बाहर निकले तो इनके पक्ष के अन्य लोगों ने उनका रास्ता रोक लिया, जिन्होंने हाथ में लाठी, डंडा ले रखे थे, उन्हें धमकी दी कि मामले को ज्यादा बढ़ाया तो तुम्हें जान से खत्म कर देंगे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने नाबालिग के पिता की शिकायत पर मौलवी, 2 महिलाएं सहित सभी नामजद 8 के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मुख्य आरोपी मौलवी को गिरफ्तार करने के साथ ही एक किशोर आरोपी को अभिरक्षा में-लिया गया, जिसमें मुख्य आरोपी मौलवी को जेल भेजा जा चुका है तथा किशोर अपराधी को बाल सुधार गृह में भेजा गया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।